भजन

तर्ज– सैयां निकस गये मैं ना

परमधाम की रहने वालीमाया ये दिल में कैसी भरी थी

रोका पिया ने जिद क्यों करी थीइश्क में तेरे मैं तो डूबी हुई थी

पिया.. ऐसी हुई क्यों भूल, तेरी रूहें तुझसे पूछे आज

1 तन तेरे हम है नहीं कोई औरनजरों ही नजरों में हुआ कैसा फेर

इश्क नजर में ऐसी क्यों भरी थीनजरों ही नजरों से दिल में भरी थी

2 अपने पिया को अब हम रिझायेंकाम करे सोई पिया मन साथ

सुध मोहे आई पिया जान गई मैंतूने जगाई निस्बत तेरी थी

पिया जान गई तुमको मैंतो निसबत हूं तेरी

3 निसबत के सुख तुमने बतायेतेरी थी तुमने आप दिखाएं

जो सुख अपने में भूली हुई थी याद दिलाए पिया मैं तेरी थी